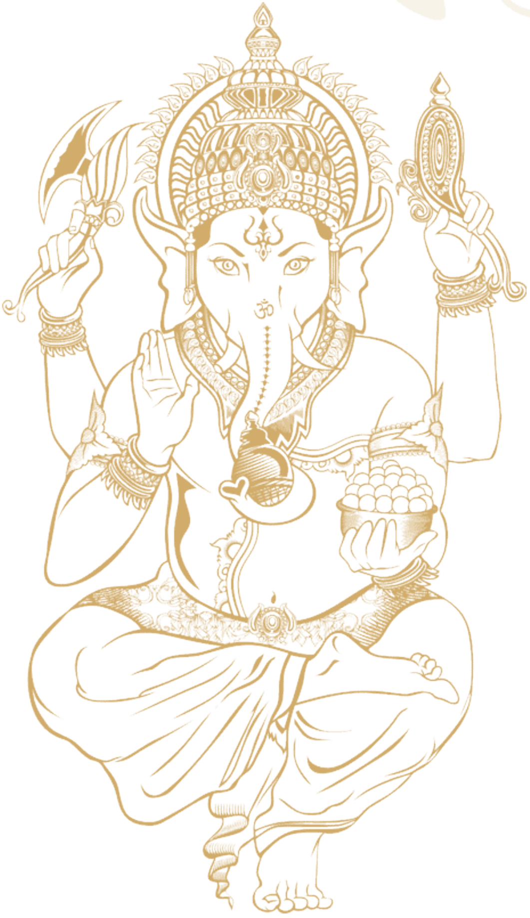

Nand Lal Sharma

28 Mar 1965

07:51 PM

Bhakra Dam

Model: Web-VarshKundli **Order No: 121568201**

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
28/03/1965	जन्म तिथि	**29/03/2026**
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 19:51:00	जन्म समय	14:39:36 घंटे
घटी 33:50:42	जन्म समय(घटी)	20:56:03 घटी
India	देश	India
Bhakra Dam	स्थान	Bhakra Dam
उत्तर 31:24:00	अक्षांश	31:24:00 उत्तर
पूर्व 76:28:00	रेखांश	76:28:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:08	स्थानिक संस्कार	-00:24:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:43	सूर्योदय	06:17:10
18:40:26	सूर्यास्त	18:41:14
23:22:01	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:31
तुला	लग्न	कर्क
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
मकर	राशि	सिंह
शनि	राशि-स्वामी	सूर्य
श्रवण	नक्षत्र	मघा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	केतु
4	चरण	1
सिद्ध	योग	धृति
बालव	करण	बव
खो-खोकरन	जन्म नामाक्षर	मा-मानवी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	वनचर
वानर	योनि	मूषक
देव	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मूषक
61	गत/तत्कालिक वर्ष	62

जन्म - विवरण / वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
चित्रा	3	00:14:33	तुला			लग्न			कर्क	23:42:27	3	आश्लेषा
उ०भाद्रपद	4	14:19:24	मीन			सूर्य			मीन	14:27:53	4	उ०भाद्रपद
श्रवण	4	22:47:24	मक			चंद्र			सिंह	00:01:00	1	मघा
पू०फाल्गुनी	2	18:32:54	सिंह	व		मंगल		अ	कुंभ	26:50:35	3	पू०भाद्रपद
रेवती	4	29:49:28	मीन			बुध			कुंभ	17:27:17	4	शतभिषा
कृतिका	2	01:23:55	वृष			गुरु			मिथु	21:23:41	1	पुनर्वसु
उ०भाद्रपद	3	10:35:32	मीन		अ	शुक्र			मेष	04:11:26	2	अश्विनी
शतभिषा	4	17:49:29	कुंभ			शनि		अ	मीन	10:59:46	3	उ०भाद्रपद
रोहिणी	4	23:14:42	वृष	व		राहु			कुंभ	14:33:32	3	शतभिषा
ज्येष्ठा	2	23:14:42	वृश्चि	व		केतु			सिंह	14:33:32	1	पू०फाल्गुनी
पू०फाल्गुनी	2	18:23:25	सिंह	व		मु			वृश्चि	00:14:33	4	विशाखा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:31

लग्न-चलित

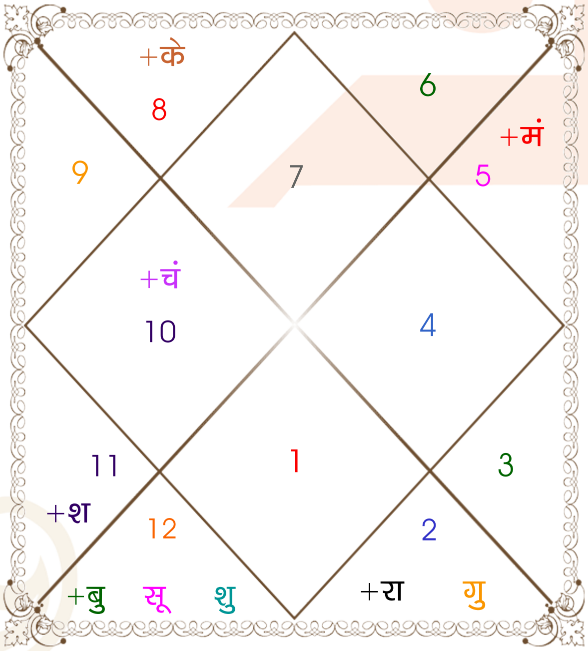

वर्ष लग्न कुंडली

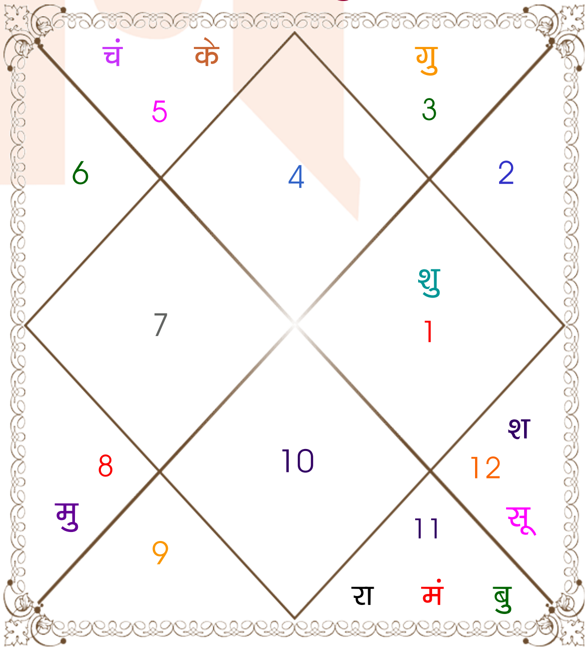

चन्द्र कुंडली

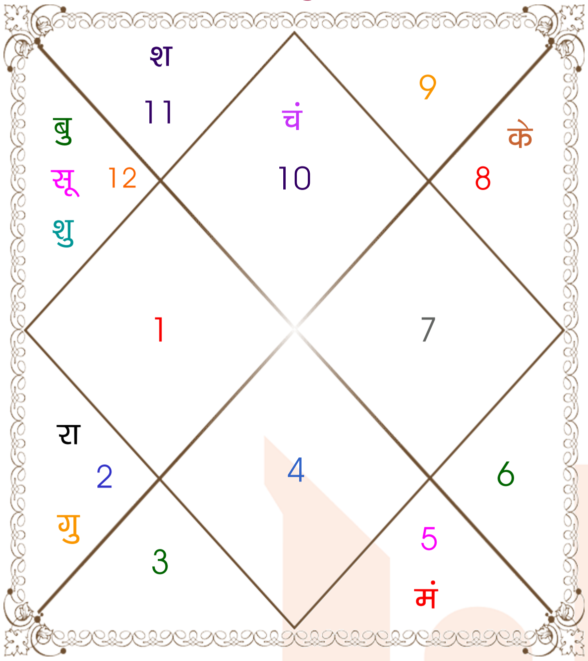

वर्ष चन्द्र कुंडली

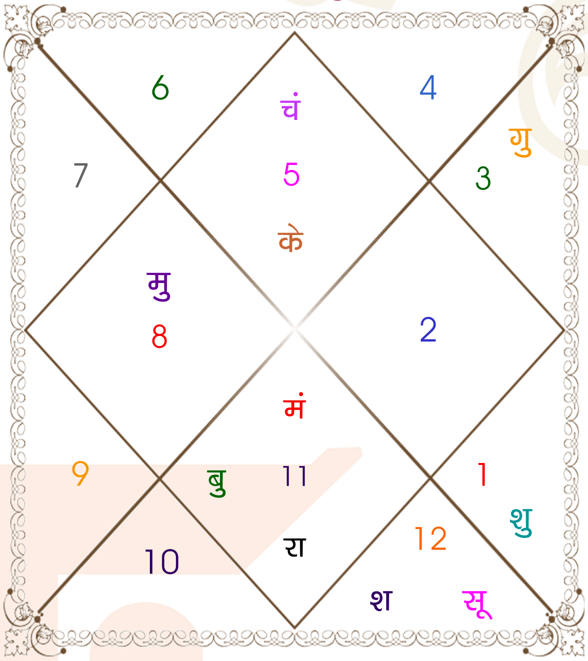

नवमांश कुंडली

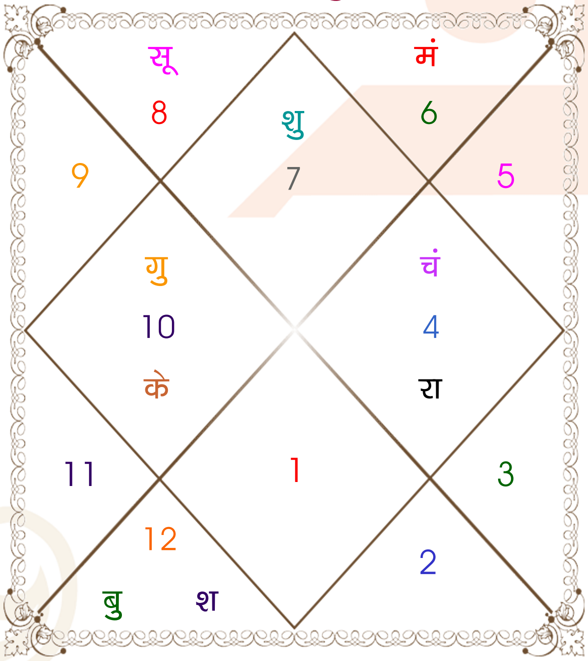

वर्ष नवमांश कुंडली

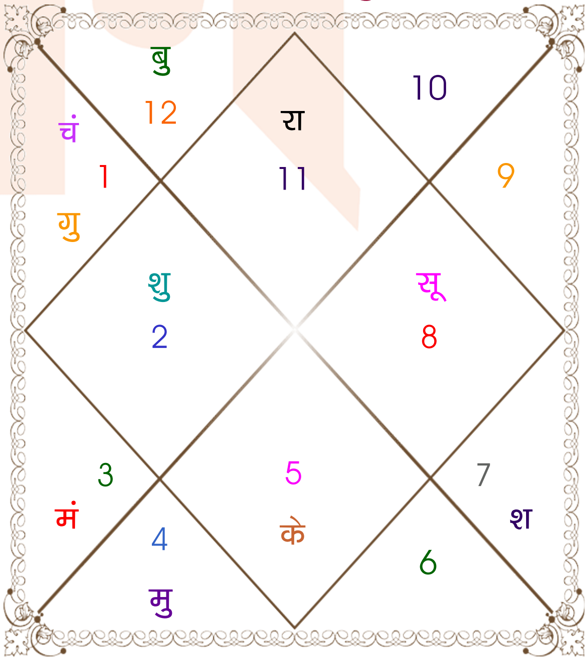

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	सम	सम	शत्रु	सम	शत्रु
चन्द्र	सम	---	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	सम
मंगल	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	मित्र	सम
बुध	सम	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	मित्र	सम
गुरु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	---	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	सम
शनि	शत्रु	सम	सम	सम	शत्रु	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कर्क	मीन	सिंह	कुंभ	कुंभ	मिथु	मेष	मीन
होरा	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	कर्क	मीन	कुंभ	कर्क	मिथु	सिंह	मेष	मीन
चतुर्थांश	मेष	मिथु	सिंह	वृश्चि	सिंह	धनु	मेष	मिथु
पंचमांश	मक	मीन	मेष	तुला	धनु	मिथु	मेष	कन्या
षष्ठांश	कुंभ	धनु	मेष	कन्या	कर्क	सिंह	मेष	धनु
सप्तमांश	मिथु	धनु	सिंह	सिंह	मिथु	तुला	मेष	वृश्चि
अष्टमांश	तुला	सिंह	सिंह	मीन	धनु	तुला	वृष	कर्क
नवमांश	कुंभ	वृश्चि	मेष	मिथु	मीन	मेष	वृष	तुला
दशमांश	तुला	मीन	सिंह	तुला	कर्क	मक	वृष	कुंभ
एकादशांश	कुंभ	कर्क	कर्क	तुला	कर्क	धनु	मेष	मिथु
द्वादशांश	मेष	सिंह	सिंह	धनु	सिंह	कुंभ	वृष	कर्क

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	सम	सम	सम	मित्र	मित्र	शत्रु
होरा	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम
द्रेष्काण	शत्रु	सम	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र	शत्रु
चतुर्थांश	सम	सम	स्व	सम	स्व	मित्र	सम
पंचमांश	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	सम
षष्ठांश	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
सप्तमांश	शत्रु	सम	सम	स्व	मित्र	मित्र	सम
अष्टमांश	स्व	सम	मित्र	मित्र	मित्र	स्व	सम
नवमांश	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	स्व	सम
दशमांश	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व	स्व
एकादशांश	सम	स्व	मित्र	शत्रु	स्व	मित्र	सम
द्वादशांश	स्व	सम	मित्र	सम	शत्रु	स्व	सम
शुभ	2	1	6	5	8	11	1
सम	4	8	2	3	0	1	8
अशुभ	6	3	4	4	4	0	3
कुल	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	5	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	0	5	0	5	5	0	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	5	5	5	10	0	5
बल	सामान्य	क्षीण	क्षीण	क्षीण	सामान्य	अतिक्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	15.00	15.00	15.00	22.50	22.50	7.50
उच्च बल	17.16	10.33	16.80	3.06	18.49	19.20	4.33
हददा बल	7.50	11.25	7.50	11.25	11.25	11.25	7.50
द्रेष्काण	2.50	5.00	2.50	10.00	2.50	7.50	2.50
नवमांश	2.50	1.25	1.25	3.75	3.75	5.00	2.50
कुल	37.16	42.83	43.05	43.06	58.49	65.45	24.33
विंशोपक	9.29	10.71	10.76	10.77	14.62	16.36	6.08
बल	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	बली	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शुक्र	16.36	अशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	चंद्र	10.71	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	10.76	दृष्टि नहीं	शुक्र
दिवापति	गुरु	14.62	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	शुक्र	16.36	अशुभ	

पात्यंश दशा

चंद्र		शुक्र		शनि		सूर्य		बुध	
29/03/2026		**29/03/2026**		**25/05/2026**		**26/08/2026**		**12/10/2026**	
29/03/2026		**25/05/2026**		**26/08/2026**		**12/10/2026**		**22/11/2026**	
	29/03/2026	शुक्र	07/04/2026	शनि	18/06/2026	सूर्य	01/09/2026	बुध	16/10/2026
	29/03/2026	शनि	22/04/2026	सूर्य	30/06/2026	बुध	06/09/2026	गुरु	22/10/2026
	29/03/2026	सूर्य	29/04/2026	बुध	10/07/2026	गुरु	13/09/2026	लग्न	26/10/2026
	29/03/2026	बुध	05/05/2026	गुरु	23/07/2026	लग्न	17/09/2026	मंगल	31/10/2026
	29/03/2026	गुरु	14/05/2026	लग्न	31/07/2026	मंगल	23/09/2026	चंद्र	31/10/2026
	29/03/2026	लग्न	18/05/2026	मंगल	11/08/2026	चंद्र	23/09/2026	शुक्र	06/11/2026
	29/03/2026	मंगल	25/05/2026	चंद्र	11/08/2026	शुक्र	30/09/2026	शनि	16/11/2026
	29/03/2026	चंद्र	25/05/2026	शुक्र	26/08/2026	शनि	12/10/2026	सूर्य	22/11/2026

गुरु		लग्न		मंगल		मंगल		मंगल	
22/11/2026		**14/01/2027**		**15/02/2027**		**15/02/2027**		**15/02/2027**	
14/01/2027		**15/02/2027**		**29/03/2027**		**29/03/2027**		**29/03/2027**	
गुरु	29/11/2026	लग्न	17/01/2027	मंगल	20/02/2027	मंगल	20/02/2027	मंगल	20/02/2027
लग्न	04/12/2026	मंगल	21/01/2027	चंद्र	20/02/2027	चंद्र	20/02/2027	चंद्र	20/02/2027
मंगल	10/12/2026	चंद्र	21/01/2027	शुक्र	26/02/2027	शुक्र	26/02/2027	शुक्र	26/02/2027
चंद्र	10/12/2026	शुक्र	26/01/2027	शनि	09/03/2027	शनि	09/03/2027	शनि	09/03/2027
शुक्र	19/12/2026	शनि	03/02/2027	सूर्य	15/03/2027	सूर्य	15/03/2027	सूर्य	15/03/2027
शनि	01/01/2027	सूर्य	07/02/2027	बुध	19/03/2027	बुध	19/03/2027	बुध	19/03/2027
सूर्य	08/01/2027	बुध	10/02/2027	गुरु	26/03/2027	गुरु	26/03/2027	गुरु	26/03/2027
बुध	14/01/2027	गुरु	15/02/2027	लग्न	29/03/2027	लग्न	29/03/2027	लग्न	29/03/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु	
29/03/2026		29/05/2026		16/06/2026		17/07/2026		07/08/2026	
29/05/2026		16/06/2026		17/07/2026		07/08/2026		01/10/2026	
शुक्र	08/04/2026	सूर्य	30/05/2026	चंद्र	19/06/2026	मंगल	18/07/2026	राहु	15/08/2026
सूर्य	11/04/2026	चंद्र	31/05/2026	मंगल	21/06/2026	राहु	21/07/2026	गुरु	23/08/2026
चंद्र	16/04/2026	मंगल	01/06/2026	राहु	25/06/2026	गुरु	24/07/2026	शनि	31/08/2026
मंगल	20/04/2026	राहु	04/06/2026	गुरु	29/06/2026	शनि	27/07/2026	बुध	08/09/2026
राहु	29/04/2026	गुरु	07/06/2026	शनि	04/07/2026	बुध	30/07/2026	केतु	11/09/2026
गुरु	07/05/2026	शनि	10/06/2026	बुध	08/07/2026	केतु	01/08/2026	शुक्र	20/09/2026
शनि	17/05/2026	बुध	12/06/2026	केतु	10/07/2026	शुक्र	04/08/2026	सूर्य	23/09/2026
बुध	25/05/2026	केतु	13/06/2026	शुक्र	15/07/2026	सूर्य	05/08/2026	चंद्र	28/09/2026
केतु	29/05/2026	शुक्र	16/06/2026	सूर्य	17/07/2026	चंद्र	07/08/2026	मंगल	01/10/2026

गुरु		शनि		बुध		केतु		केतु	
01/10/2026		18/11/2026		15/01/2027		08/03/2027		08/03/2027	
18/11/2026		15/01/2027		08/03/2027		29/03/2027		29/03/2027	
गुरु	07/10/2026	शनि	28/11/2026	बुध	23/01/2027	केतु	09/03/2027	केतु	09/03/2027
शनि	15/10/2026	बुध	06/12/2026	केतु	26/01/2027	शुक्र	13/03/2027	शुक्र	13/03/2027
बुध	22/10/2026	केतु	09/12/2026	शुक्र	03/02/2027	सूर्य	14/03/2027	सूर्य	14/03/2027
केतु	25/10/2026	शुक्र	19/12/2026	सूर्य	06/02/2027	चंद्र	16/03/2027	चंद्र	16/03/2027
शुक्र	02/11/2026	सूर्य	22/12/2026	चंद्र	10/02/2027	मंगल	17/03/2027	मंगल	17/03/2027
सूर्य	04/11/2026	चंद्र	27/12/2026	मंगल	13/02/2027	राहु	20/03/2027	राहु	20/03/2027
चंद्र	08/11/2026	मंगल	30/12/2026	राहु	21/02/2027	गुरु	23/03/2027	गुरु	23/03/2027
मंगल	11/11/2026	राहु	08/01/2027	गुरु	28/02/2027	शनि	26/03/2027	शनि	26/03/2027
राहु	18/11/2026	गुरु	15/01/2027	शनि	08/03/2027	बुध	29/03/2027	बुध	29/03/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - बुध - शुक्र	
16/02/2026 15:04	
13/07/2026 05:38	
शुक्र	13/03/2026 01:30
सूर्य	20/03/2026 09:25
चंद्र	01/04/2026 14:38
मंगल	10/04/2026 03:53
राहु	02/05/2026 03:40
गुरु	21/05/2026 16:49
शनि	13/06/2026 21:55
बुध	04/07/2026 16:23
केतु	13/07/2026 05:38

बुध - बुध - सूर्य	
13/07/2026 05:38	
26/08/2026 05:13	
सूर्य	15/07/2026 10:25
चंद्र	19/07/2026 02:23
मंगल	21/07/2026 15:57
राहु	28/07/2026 06:18
गुरु	03/08/2026 03:02
शनि	10/08/2026 02:10
बुध	16/08/2026 07:42
केतु	18/08/2026 21:17
शुक्र	26/08/2026 05:13

बुध - बुध - चंद्र	
26/08/2026 05:13	
07/11/2026 12:30	
चंद्र	01/09/2026 07:49
मंगल	05/09/2026 14:27
राहु	16/09/2026 14:20
गुरु	26/09/2026 08:55
शनि	07/10/2026 23:28
बुध	18/10/2026 08:42
केतु	22/10/2026 15:19
शुक्र	03/11/2026 20:32
सूर्य	07/11/2026 12:30

बुध - बुध - मंगल	
07/11/2026 12:30	
28/12/2026 20:00	
मंगल	10/11/2026 12:20
राहु	18/11/2026 05:04
गुरु	25/11/2026 01:16
शनि	03/12/2026 04:15
बुध	10/12/2026 10:43
केतु	13/12/2026 10:33
शुक्र	21/12/2026 23:48
सूर्य	24/12/2026 13:23
चंद्र	28/12/2026 20:00

बुध - बुध - राहु	
28/12/2026 20:00	
09/05/2027 18:43	
राहु	17/01/2027 15:01
गुरु	04/02/2027 05:14
शनि	25/02/2027 02:38
बुध	15/03/2027 19:15
केतु	23/03/2027 11:59
शुक्र	14/04/2027 11:46
सूर्य	21/04/2027 02:06
चंद्र	02/05/2027 02:00
मंगल	09/05/2027 18:43

बुध - बुध - गुरु	
09/05/2027 18:43	
04/09/2027 01:35	
गुरु	25/05/2027 10:02
शनि	12/06/2027 23:43
बुध	29/06/2027 14:29
केतु	06/07/2027 10:41
शुक्र	25/07/2027 23:50
सूर्य	31/07/2027 20:35
चंद्र	10/08/2027 15:09
मंगल	17/08/2027 11:21
राहु	04/09/2027 01:35

बुध - बुध - शनि	
04/09/2027 01:35	
21/01/2028 08:13	
शनि	26/09/2027 02:50
बुध	15/10/2027 20:22
केतु	23/10/2027 23:22
शुक्र	16/11/2027 04:28
सूर्य	23/11/2027 03:36
चंद्र	04/12/2027 18:09
मंगल	12/12/2027 21:08
राहु	02/01/2028 18:32
गुरु	21/01/2028 08:13

बुध - केतु - केतु	
21/01/2028 08:13	
11/02/2028 11:19	
केतु	22/01/2028 13:48
शुक्र	26/01/2028 02:19
सूर्य	27/01/2028 03:40
चंद्र	28/01/2028 21:56
मंगल	30/01/2028 03:31
राहु	02/02/2028 07:34
गुरु	05/02/2028 03:11
शनि	08/02/2028 11:29
बुध	11/02/2028 11:19

बुध - केतु - शुक्र	
11/02/2028 11:19	
11/04/2028 20:08	
शुक्र	21/02/2028 12:47
सूर्य	24/02/2028 13:14
चंद्र	29/02/2028 13:58
मंगल	04/03/2028 02:29
राहु	13/03/2028 03:48
गुरु	21/03/2028 04:59
शनि	30/03/2028 18:22
बुध	08/04/2028 07:37
केतु	11/04/2028 20:08

बुध - केतु - सूर्य	
11/04/2028 20:08	
29/04/2028 22:47	
सूर्य	12/04/2028 17:52
चंद्र	14/04/2028 06:05
मंगल	15/04/2028 07:27
राहु	18/04/2028 00:39
गुरु	20/04/2028 10:36
शनि	23/04/2028 07:25
बुध	25/04/2028 20:59
केतु	26/04/2028 22:21
शुक्र	29/04/2028 22:47

बुध - केतु - चंद्र	
29/04/2028 22:47	
30/05/2028 03:12	
चंद्र	02/05/2028 11:09
मंगल	04/05/2028 05:25
राहु	08/05/2028 18:04
गुरु	12/05/2028 18:40
शनि	17/05/2028 13:22
बुध	21/05/2028 19:59
केतु	23/05/2028 14:15
शुक्र	28/05/2028 14:59
सूर्य	30/05/2028 03:12

बुध - केतु - मंगल	
30/05/2028 03:12	
20/06/2028 06:17	
मंगल	31/05/2028 08:47
राहु	03/06/2028 12:51
गुरु	06/06/2028 08:27
शनि	09/06/2028 16:45
बुध	12/06/2028 16:35
केतु	13/06/2028 22:10
शुक्र	17/06/2028 10:41
सूर्य	18/06/2028 12:02
चंद्र	20/06/2028 06:17

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
29/03/2026 14:39:36 से 29/04/2026 01:10:39 तक

यह मास आपका प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आपकी बुद्धि निर्मलता से युक्त रहेगी तथा सभी महत्पूर्ण कार्य बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। साथ ही आपको पुत्र सुख तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग इसे मन से स्वीकार करेंगे। साथ ही आप अनेक प्रकार के शुभ कार्यों को सम्पन्न करेंगे एवं शुभ समाचार भी प्राप्त होंगे। देवता तथा ब्राहमण के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा आप विधिपूर्वक इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनकूल लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपको समाज में मान प्रतिष्ठा की भी प्राप्ति होगी एवं मानसिक चिन्ताएं भी दूर होंगी।

साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा पदोन्नति भी मिल सकती है। इस समय आप देश विदेश की लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं।साथ ही अन्य प्रकार के सुखों को अर्जित करने में भी आप सफल रहंगे।

द्वितीय मास
29/04/2026 01:10:39 से 29/05/2026 11:41:42 तक

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आप पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करेंगे। आपका स्वास्थ्य इस मास अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता नहीं रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि बढ़ेगी तथा मित्र वर्ग से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी एवं उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करके आप प्रसन्नता को प्राप्त करेंगेत संतति पक्ष से भी आपको शुभ फल ही प्राप्त होंगे तथा किसी प्रकार से चिन्ता नहीं रहेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित होगी। फलतः आप आनंदपूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

इसके साथ ही आप पुत्र एवं स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा विद्याध्ययन में भी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या द्रव्य आदि की भी आपको उपलब्धि हो सकती है। इस प्रकार आप शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

तृतीय मास

29/05/2026 11:41:42 से 28/06/2026 22:12:45 तक

यह मास आपके लिए विशेष शुभ फलदायक नहीं रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शत्रु बलवान रहेंगे जिसके कारण आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही पारिवारिक जनों से सम्बन्धों में भी तनाव का वातावरण रहेगा जिससे परिवार में अशान्ति रहेगी। अतः मानसिक रूप से आप चिन्तित रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या अजीविका संबधी कार्यों में मंदी आएगी या आपका कोई कार्य छूट भी सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक जनों से आपका विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का योग भी बनता है एवं शरीर में कोई रोग भी हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री का आपको पूर्ण सुख मिलेगा तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा बुद्धि बल से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने के लिए उत्सुक होंगे।

चतुर्थ मास

28/06/2026 22:12:45 से 29/07/2026 08:43:48 तक

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

पंचम् मास

29/07/2026 08:43:48 से 28/08/2026 19:14:51 तक

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्टानुभूति होगी। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी इस समय आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा

अनावश्यक रूप से संबधों में तनाव विद्यमान रहेगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी हानि या मंदी के योग बनेंगे। साथ ही स्थान या कार्य क्षेत्र में परिर्वतन भी कर सकते है। समाज में भी अधिकाशं लोगों से आपके विवाद होते रहेंगे जिसके कारण उनसे कटुता का व्यवहार रहेगा फलतः आपके समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि भी हो सकती है।

साथ ही इस मास गर्मी या पित्तादि दोषों से भी अस्वस्थ रहेंगे। इस समय किसी कारण से रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः इस समय आप सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास
28/08/2026 19:14:51 से 28/09/2026 05:45:54 तक

इस मास में आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके अधिकारी तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप पदोन्नति के अधिक अवसर प्राप्त करेंगे। बन्धु तथा मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपकी ख्याति भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस महीने आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति भी कर सकते है तथा आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप अन्य प्रकार से सुख तथा ऐश्वर्य अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा सुख पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

सप्तम् मास
28/09/2026 05:45:54 से 28/10/2026 16:16:57 तक

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त

करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहिनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे ।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
28/10/2026 16:16:57 से 28/11/2026 02:48:00 तक

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा।संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

नवम् मास
28/11/2026 02:48:00 से 28/12/2026 13:19:03 तक

यह मास आपके लिए सामान्य शुभ रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक इनका पूजन तथा आदर करते रहेंगे।साथ ही दूसरे लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपका उचित सहयोग एवं मित्रता रहेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सुख एवं सहयोग आपको प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी आप यदाकदा प्राप्त करेंगे।अतः आप ठंड या वातरोग से पीड़ित हो सकते है तथा आपके द्वारा कोई ऐसा कार्य भी सम्पन्न होगा जिसके लिए आपको पछताना पड़ेगा जिससे समाज में सम्मान में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

दशम् मास
28/12/2026 13:19:03 से 27/01/2027 23:50:06 तक

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शत्रुपक्ष प्रबल रहेगा फलतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में भी न्यूनता आएगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी कई प्रकार से व्यवधान आएंगे तथा उनमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी दूर समीप की भी कोई यात्रा हो सकती है। आपके सांसारिक कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन अधिक मात्रा में व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः इस मास को सावधानी तथा संयम पूर्वक व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतःआप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग तथा लाभ अर्जित कर सकेंगे। साथ ही अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रमपूर्वक सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त किसी नवीन द्रव्य या वस्त्र की भी प्राप्ति करने में भी आप सफल रहेंगे। इस प्रकार मध्यम रूप से आप अपने समय को इस मास में व्यतीत करेंगे।

एकादश मास
27/01/2027 23:50:06 से 27/02/2027 10:21:09 तक

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही समाज में आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपके परिवार तथा मित्र जनों से मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आप यथोचित आदर प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मिष्ठान्न के प्रति आपकी तीव्र रूचि रहेगी। शारीरिक बल की भी आप में पूर्णता रहेगी एवं शत्रुओं को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे।स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा अतः आपका गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा। इसके अलावा व्यापारादि कार्यों से भी आप अतिरिक्त धन अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

द्वादश मास
27/02/2027 10:21:09 से 29/03/2027 20:52:12 तक

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे तथा शुभ फल अल्प मात्रा में होंगे। इस समय शत्रुपक्ष के प्रबल होने से उनसे आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा चिन्तित भी रहेंगे।साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे तथा विभिन्न प्रकार से व्यवधान आते रहेंगे।साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आप आर्थिक दृष्टि से भी परेशान रहेंगे।धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप उपेक्षा का भाव रखेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्ट हो सकते है।साथ ही आपकी कोई दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में भी आप असफल रहेंगे तथा किसी मुकद्दमे आदि में धन हानि की भी संभावना रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।अतः सावधानी तथा बुद्धिमता से समय को व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में समय समय पर आप शुभ फल भी अर्जित कर सकेंगे। इसके प्रभाव से आप स्त्री का पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा जिससे आपके कई कार्य बुद्धिमता से पूर्ण होंगे तथा धनार्जन में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी श्रद्धा का भाव रखकर समाज में आदर प्राप्त करेंगे।